News सिटी चीफ
वर्ष-15, अंक-274
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार
घर के अंदर जी भर के रो लो, पर दरवाजा हंस कर ही खोलो।

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM
बिहार, बुधवार, 08 जनवरी 2025
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

शराबबंदी पर क्या बोलीं मुजफ्फरपुर की महिलाएं

कहा..... शराब से पति को खोया अब जीविका ने बदली तस्वीर

मुजफ्फरपुर, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इन दिनों प्रगति यात्रा पर हैं, हर जगह महिलाओं को लेकर किए गए काम का जिक्र कर रहे हैं, ऐसे में मुजफ्फरपुर में महिलाओं ने सीएम के कार्यों को लेकर खुलकर बात की. मुजफ्फरपुर ए मछही गांव की महिलाओं में बताया कि सीएम ने जीविका के माध्यम से उनकी तकदीर बदल दी.

वहीं इसी गांव की रहने वाली शीला देवी ने बताया कि उनके पति की मौत शराब की वजह से हो गई थी, जिसके बाद उनका परिवार बिखर गया था, लेकिन फिर वो जीविका से जुड़ी और उसके सहयोग से गांव में परचून की दुकान खोली, अब स्थिति बदल गई हैं, वहीं शराबबंदी भी हो गई, जिससे अन्य महिलाएं इस दर्द से नहीं गुजरेगी.

वहीं ऐसी ही कहानी मंजूदेवी की भी हैं जिन्होंने बताया कि उनके पति भी खूब शराब पीते थे, जिससे उनकी मौत हो गई, हालांकि नीतीश सरकार ने उन्हें बगल के स्कूल में रसोइया की नौकरी मिल गई, अब स्थिति बदल गई हैं. अमूमन हर महिला सीएम नीतीश के कामों से काफी खुश दिख रही हैं. जीविका से जुड़ी पिंकी रानी ने बताया कि नीतीश कुमार ने महिलाओं के लिए बहुत काम किया हैं, जीविका और शराबबंदी ने सबकी तकदीर बदल दी है. वहीं आशाकर्मी प्रतिभा किशोर ने बताया कि पहले बैंक से लोन लेते थे, वो भी जल्दी नहीं मिलता था, ब्याज दर बहुत था लेकिन जीविका से अब 1 प्रतिशत ब्याज पर पैसे मिल रहे हैं, जिससे कई काम कर रहे हैं. वहीं मछही गांव की ही जीविका से जुड़ी महिला ललिता देवी ने बताया कि महिलाओं के लिए जीविका वरदान बनकर आया हैं.अब हर काम आसान लगता हैं. वहीं बेबी कुमारी ने बताया कि सीएम नीतीश ने महिलाओं के लिए बहुत काम किया हैं, आरक्षण का लाभ मिला, स्कूल में बच्चों को भोजन मिल रहा है, छात्र -छात्राओं को साईकिल मिल रहा हैं, जीविका से महिलाए आगे बढ़ रही हैं. वहीं जीविका से जुड़ी सरिता देवी ने बताया कि सीएम ने पूरे बिहार की महिलाओं की तकदीर बदल दी हैं, आर्थिक स्थिति में भी सुधार होने लगा हैं, साथ ही महिलाओं के लिए कई जगह आरक्षण मिले हैं जिससे लाभ मिल रहा हैं.

किसानों को दिया जा रहा है नोटिस

सीतामढ़ी-शिवहर रेल लाइन के निर्माण हेतु कार्य प्रगति पर

चन्दन कुमार चौबे ।सिटी चीफ

शिवहर, बापूधाम मोतिहारी-सीतामढ़ी भाया शिवहर रेलवे लाइन निर्माण को लेकर कार्य प्रगति पर है। सीतामढ़ी से शिवहर तक भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है। इस रेलवे लाइन को बिछाने में पड़ने वाले किसानों को नोटिस भेज कर किसानों को मुआवजा देकर भूमि अधिग्रहित किया जा रहा है।

सूत्र बताते हैं कि सीतामढ़ी जिला में कई किसानों का भूमि अब तक अधिग्रहित किया जा चुका है। साथ ही अब तक जिला भू-अर्जन कार्यालय से कई किसानों को भूमि के बदले मुआवजा का भी वितरण किया जा चुका है। वहीं शिवहर जिला क्षेत्र में भी भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरु कर दिया गया है । जिला भू- अर्जन कार्यालय से किसानों को नोटिस भेजने का कार्य शुरु हो गया है।

नए लाइन में रेलवे क्रासिंग से मुक्ति मिलेगी। हर जगह रोड अंडर बिज का निर्माण किया जाएगा। इससे रेल एवं सड़क मार्ग दोनों का यातायात सुगम बना रहेगा ।

भूमि अधिग्रहण कार्य युद्ध स्तर पर कर जल्द ही सीतामढ़ी से शिवहर तक रेलवे लाईन नव निर्माण के लिए भूमि रेलवे को सौंप दी जाएगी।

गौरतलब है कि रेलमार्ग के निर्माण के लिए रेलवे और जिला प्रशासन ने कदम बढ़ा दिए है। सीतामढ़ी और शिवहर जिला प्रशासन द्वारा रैयतों को नोटिस भेजने का काम शुरू कर दिया गया है। अब रैयत अपना भुगतान ले सकते हैं। इसके बाद भूमि अधिग्रहण होते ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। अभी हाल में ही रेलवे ने इस रेलमार्ग में रोड अंडर ब्रिज के निर्माण के लिए निरीक्षण किया है।

रेलवे के अभियंताओं की टीम ने पथ निर्माण विभाग व ग्रामीण कार्य प्रमंडल की टीम के साथ शिवहर के इलाकों का दौरा किया था । रेलवे व भू-अर्जन विभाग की टीम ने देकुली धर्मपुर के सभी रैयतों को नोटिस समर्पित किया। इस नोटिस के आधार पर संबंधित रैयत जिला भू-अर्जन विभाग से अपनी जमीन का मुआवजा प्राप्त कर सकते है ।

दरअसल यह रेलवे लाईन लम्बे संघर्ष का प्रतिफल है इस मुद्दे पर संघर्षशील युवा अधिकार मंच सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के बैनर तले जिले के युवा निरंतर आंदोलन करते रहें जिसके बाद शिवहर के आरटीआई कार्यकर्ता मुकुन्द प्रकाश मिश्र में पटना हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर किया ।कोर्ट में याचिकाकर्ता का पक्ष पटना हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता सुनील वर्मा और सुमन वर्मा ने रखा ।

कोर्ट के निर्णय के बाद इस परियोजना का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ । आइये सिलसिलेवार ढंग से समझते हैं इस पूरे परियोजना को।

दरअसल 22/2/2017 को आरटीआई के तहत प्राप्त सूचना के अनुसार मोतिहारी सीतामढ़ी नई रेल लाइन परियोजना में फाइनल लोकेशन सर्वे पूरा कर लिया गया है । भूमि अधिग्रहण नहीं होने की वजह से परियोजना का विकास रुका हुआ है । अभी 926.09 करोड़ का विस्तृत प्राक्कलन इस परियोजना के लिए प्राप्त हुआ है,जो अभी विचाराधीन है ।अभी तक इस परियोजना पर 24 करोड़ रूपया खर्च हुए हैं वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए 100 करोड़ रुपए आवंटित किया गया है । परियोजना का निर्माण अवधि अभी सुनिश्चित नहीं है । वहीं 25-9-2017 को प्राप्त सूचना के अनुसार मोतिहारी सीतामढ़ी भाया शिवहर रेल लाइन परियोजना को 2006-07 के रेलवे बजट में शामिल किया गया था ।

इस परियोजना के 1006.75 करोड़ रुपए के डिटेल्ड एस्टिमेट के जांच के सिलसिले में सक्षम प्राधिकारी ने परियोजना के नकारात्मक प्रतिफल दर आर ओ आर एवं आसन्न क्षेत्र में उपलब्ध रेलवे मार्ग के मद्देनजर परियोजना के क्रियान्वयन को स्थगित कर दिया है।

वहीं 27-2-18 को प्राप्त सूचना के अनुसार बापूधाम मोतिहारी सीतामढ़ी भाया शिवहर नई लाइन परियोजना में अभी तक वर्ष 2017-2018 तक कुल 24 करोड़ 16 लाख 36 हजार का खर्च है।

29-8-2018 को प्राप्त सूचना के अनुसार मोतिहारी सीतामढ़ी 78.92 किलोमीटर नई लाइन परियोजना पूरक बजट 2007-08 में 221 करोड़ की अनुमानित लागत पर शामिल की गई थी।

31-3-2018 तक इस परियोजना पर 24 करोड़ का व्यय किया गया है।

मोतिहारी सीतामढ़ी 78.92 किलोमीटर नई लाइन परियोजना को आसपास के क्षेत्र में उपलब्ध रेलवे मार्गे और परियोजनाओं की वापसी की नकारात्मक दर के संदर्भ में बंद रखा गया है।

अब सीतामढ़ी से शिवहर 28 किलोमीटर तक परियोजना के भाग निष्पादन का प्रस्ताव परीक्षाधीन है।

4/4/2019 को प्राप्त सूचना के अनुसार बापूधाम मोतिहारी सीतामढ़ी वाया शिवहर नई लाइन परियोजना अंतर्गत सीतामढ़ी से शिवहर तक नई लाइन निर्माण की स्वीकृति रेलवे बोर्ड से स्वीकृत है। बापूधाम मोतिहारी सीतामढ़ी वाया शिवहर नई लाइन परियोजना की कुल लंबाई 78.925 किलोमीटर होगी । बापूधाम मोतिहारी सीतामढ़ी वाया शिवहर नई लाइन परियोजना हेतु द्यद्बद्दठ्ठद्वद्दठ्ठ (संरेखण) का कार्य पूरा हो चुका है तथा सीतामढ़ी जिला अंतर्गत पड़ने वाले गांव का लैंड प्लान जिला भू अर्जन पदाधिकारी सीतामढ़ी को जमा किया जा चुका है। जिसके लिए जिला भू अर्जन पदाधिकारी सीतामढ़ी द्वारा 194.40 करोड़ की राशि की मांग की गई है । उक्त परियोजना में रेलवे द्वारा 19.75 करोड़ की राशि जिला भू अर्जन पदाधिकारी सीतामढ़ी को भुगतान किया गया है।

1-8-2019 को प्राप्त आरटीआई रिपोर्ट के अनुसार बापूधाम मोतिहारी सीतामढ़ी वाया शिवहर नई लाइन परियोजना अन्तर्गत सीतामढ़ी से शिवहर तक नई लाइन निर्माण की रेलवे बोर्ड से वर्ष 2006-07 में स्वीकृति प्रदान की गई थी।

बापूधाम मोतिहारी सीतामढ़ी वाया शिवहर नयी लाइन परियोजना हेतु सीतामढ़ी जिला में पड़ने वाले भूमि अर्जन कार्य हेतु 194.40 करोड़ की जगह 19.75 करोड़ राशि वर्ष 2016-17 में जिला प्रशासन सीतामढ़ी को जमा किया जा चूका है । वर्तमान में इसे सीतामढ़ी एवं बापूधाम मोतिहारी स्टेशन से जोड़ने का प्रावधान है । रिपोर्ट के अनुसार सीतामढ़ी में जक्शन,रेवासी में क्रासिंग,धनकौल में हाल्ट,शिवहर में क्रांसिंग,सुगिया कटसरी में हाल्ट,पताही में क्रासिंग,ढ़ाका में क्रासिंग,चिरैया में हाल्ट,गजपुर में क्रासिंग बापूधाम मोतिहारी में जंक्सन उक्त रेल लाईन के अन्तर्गत बनना प्रस्तावित है।

एक अन्य आरटीआई के जवाब में बताया गया है कि उपरोक्त के संदर्भ में, 929.09 करोड़ की कुल लागत पर मोतिहारी से सीतामढ़ी के बीच नई रेल लाइन के निर्माण का विस्तृत अनुमान (9 7.09 करोड़) पहले ही दिनांक 30.01.2015 को मंजूरी के लिए रेलवे बोर्ड को भेज दिया गया है। रेलवे बोर्ड द्वारा सीतामढ़ी से लेकर शिवहर (28 किमी) तक के विस्तृत अनुमान की मांग की गई और दिनांक 06.07.2018 को रेलवे बोर्ड को रिपोर्ट सौंप दी गयी है, जिसके अनुमोदन का अभी भी इंतजार है। रेलवे बोर्ड द्वारा सीतामढ़ी से शिवहर (28 किमी) तक के भाग के अनुमानित अनुमान के अनुमोदन के बाद रेल लाईन निर्माण के संबंध में कदम उठाए जाएंगे।

21 दिसंबर 2021 को पटना हाईकोर्ट में मुकुन्द प्रकाश मिश्र द्वारा जनहित याचिका दायर किया गया।

जिसके बाद 28 मार्च 2023 को 566 करोड़ रूपया आवंटित किया गया था । अब भूमि-अधिग्रहण हेतु रैयतों को नोटिस भेजा जा रहा है।

जिस शख्स की हत्या में चचेरे भाइयों ने काटी जेल

वह 17 साल बाद जिंदा मिला, पुलिस भी दंग

रोहतास, बिहार के रोहतास से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां जिस शख्स की हत्या में चचेरे भाइयों ने जेल काटी, वह शख्स 17 साल बाद जिंदा मिला। इस घटना के सामने आने के बाद पुलिस भी हैरान है और इलाके में चर्चाओं का दौर जारी है।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल 17 सितंबर 2008 को नथुनी अचानक लापता हो गया था। तब मामा बाबूलाल पाल ने आरोप लगाया था कि चाचा और उनके बेटों ने उसका अपहरण कर हत्या कर दी। इस मामले में विमलेश, भगवान, और सतेंद्र को सात-आठ महीने जेल में रहना पड़ा।

अब रोहतास पुलिस के अनुसार, नथुनी यूपी के झांसी स्थित बरुआसागर थाने के अंतर्गत गांव धवारा में मिला। अकोढ़ी गोला थाना अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा ने बताया कि नथुनी को लाने के लिए टीम भेजी गई है। ये घटना अकोढ़ी गोला थाना क्षेत्र के देवरिया गांव की है।

नथुनी के मामा की शिकायत के बाद बढ़ीं चाचा के परिवार की मुश्किलें

रोहतास जिले के अकोढ़ी गोला थाना क्षेत्र के देवरिया गांव निवासी 50 वर्षीय नथुनी पाल झांसी के गांव धवारा में एक किसान के घर पिछले छह महीनों से रह रहा था। वह किसान धर्मदास अहिरवार के साथ काम कर रहा था। सोमवार को बरुआसागर थाने के धमना चौकी प्रभारी नवाब सिंह ने गश्त के दौरान उसे संदिग्ध स्थिति में देखा। पूछताछ में नथुनी ने अपने गांव का पता बताया, जिसके बाद चौकी प्रभारी ने बिहार के अकोढ़ी गोला थाने से संपर्क किया।

बिहार पुलिस ने बताया कि नथुनी पाल 17 सितंबर 2008 से लापता था और उसकी हत्या का मामला दर्ज किया गया था। नथुनी पाल के लापता होने के बाद उसके मामा बाबूलाल पाल ने चाचा रती पाल और उनके चार बेटों विमलेश पाल, भगवान पाल, सत्येंद्र पाल और जितेंद्र पाल पर हत्या का आरोप लगाया था। पुलिस ने इन सभी को गिरफ्तार किया, और उन्हें 7-8 महीने जेल में रहना पड़ा। इस घटना के बाद चचेरे भाइयों का पूरा परिवार कानूनी पचड़ों में उलझ गया। इस दौरान रती पाल की मौत भी हो गई।

नथुनी पाल के जिंदा मिलने की खबर सुनकर हत्या के आरोपित उसके चचेरे भाई झांसी पहुंचे। नथुनी को देखकर वे भावुक हो गए और फूट-फूटकर रोने लगे। उन्होंने कहा, हमने जेल की सजा भुगती और हमारे पिता ने इस घटना की तकलीफ में जान गंवा दी। जिसे हमने पाला, वह आज जिंदा मिला।

बरुआसागर थाना प्रभारी शिवजीत सिंह राजावत ने बताया कि नथुनी पाल को झांसी में बरामद कर लिया गया है। बिहार से आई पुलिस टीम अब उसे वापस लाने की तैयारी कर रही है। अकोढ़ी गोला थाना अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा ने बताया कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है।

नथुनी पाल के पिता रामचंद्र पाल की मृत्यु के बाद उसकी देखभाल चाचा रती पाल ने की थी। चाचा के परिवार के साथ उसका अछा रिश्ता था, लेकिन 2008 में उसके लापता होने के बाद रिश्तों में खटास आ गई। मामा द्वारा लगाए गए आरोपों ने परिवार को झकझोर कर रख दिया।

17 साल बाद नथुनी का इस तरह जिंदा मिलना और झांसी में रहना कई सवाल खड़े करता है। उसने इतने सालों तक अपने परिवार से संपर्क क्यों नहीं किया? क्या वह अपनी मर्जी से लापता हुआ था या इसके पीछे कोई अन्य कारण है? पुलिस अब इन सवालों के जवाब तलाश रही है। यह घटना न केवल रोहतास जिले के लिए बल्कि पूरे राय के लिए चर्चा का विषय बन गई है। नथुनी का जिंदा मिलना जहां उसके परिवार के लिए खुशी की बात है, वहीं यह मामला न्याय और सचाई की परिभाषा पर भी सवाल खड़े करता है।

आखिरकार नप गए IAS अधिकारी संजीव हंस

ईडी की कार्रवाई के बाद बिहार सरकार ने किया सस्पेंड

चन्दन कुमार चौबे ।सिटी चीफ

पटना, आईएएस अधिकारी संजीव हंस पर ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव रहते भ्रष्टाचार करने का आरोप लगा है. ईडी ने अपनी कार्रवाई में आय अधिक संपत्ति का पता लगाया था. संजीव हंस की गिरफ्तारी भी हुई. इसके बाद ही केंद्रीय कार्मिक विभाग की अनुमति के बाद बिहार सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने सेवा से निलंबित का आदेश जारी कर दिया है.

संजीव हंस को अक्टूबर 2024 के प्रभाव से निलंबित किया गया है. संजीव हंस पीएमएलए की धाराओं के तहत ईडी के केस में जेल में बंद हैं. ईडी ने संजीव हंस को अक्टूबर में गिरफ्तार किया था.

प्रेमिका के परिवार ने रची थी युवक की हत्या की साजिश

पुलिस ने छापेमारी कर युवक को बचाया, चार गिरफ्तार

पटना. खबर दानापुर से है जहां प्रेम प्रसंग का मामला एक युवक के लिए जानलेवा साबित हो गया. हालांकि, जान जाने से पहले ही पुलिस की तत्परता से युवक की जान बच गई. मामले में दानापुर पुलिस ने 4 अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार किया है. बताया जाता है कि युवक अपनी प्रेमिका से मिलने आया था. इसी बीच लड़की के परिजनों ने प्रेम संबंध की जानकारी मिलते ही युवक की हत्या की साजिश रच डाली. लेकिन, समय रहते पुलिस ने युवक की जान बचा ली. पुलिस के अनुसार, शिवहर निवासी सोनू कुमार वर्तमान में पटना के राजापुर में रहा है. वह अपनी प्रेमिका से मिलने उसके एग्जामिनेशन सेंटर महिला कॉलेज पहुंचा था. बताया जाता है कि लड़की के परिजनों को इसकी भनक लग गई तो प्रेमिका के भाई ने अपने परिजनों को बुला लिया. इसके बाद सोनू कुमार को लड़की के परिजन स्कॉर्पियो से अगवा कर नालंदा के हरनौत ले गए. आरोप के अनुसार, वहां उसकी हत्या की तैयारी चल रही थी. इस क्रम में प्रेमी को पहले नंगा किया गया था और डीजे बजाकर उसकी पिटाई कर रहे थे. इस क्रम में सोनू अधमरा हो गया था तभी खगौल थानाध्यक्ष सुनील कुमार की पुलिस टीम ने दस्तक दे दी और उसकी जान बचाई.

एएसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि अपहृत युवक सोनू कुमार को उसके प्रेम प्रसंग की वजह से युवती के परिजनों से अनबन हुई थी. इसके बाद जान मारने की नीयत से युवक का अपहरण कर लिया गया था. इस अपहरण की सूचना सोनू के भाई सुजीत कुमार ने खगौल पुलिस को दी और अपहरण के 10 घंटे और कंप्लेन देने के 5 घंटे में पुलिस की सतर्कता और तेजी से की गई कार्रवाई ने युवक की जान बचा ली. उक्त युवक को नालंदा के हरनौत से पुलिस ने अर्धनग्न अवस्था में बरामद किया. इस दौरान 4 अपहरणकर्ता भी गिरफ्तार हुए हैं. आरोपियों की पहचान हरनौत निवासी शिवदत्त कुमार, अविनाश कुमार, सुमित कुमार और चंद्रसेन प्रसाद के रूप में हुई है. पुलिस ने इनके पास से पांच मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं. बताया जाता है कि शिवहर निवासी सोनू कुमार का नालंदा निवासी एक लड़की से प्रेम प्रसंग चल रहा था. लड़की अपने भाई के साथ खगौल के महिला कॉलेज में बीए पार्ट 3 का परीक्षा देने आई थी. सोनू ने प्रेमिका से मिलने की कोशिश की, लेकिन लड़की के भाई ने यह देख अपने परिजनों को फोन कर बुला लिया. परिजनों ने मौके पर पहुंचकर सोनू को जबरन गाड़ी में बैठाकर अपहरण कर लिया और हरनौत ले गए. पहले उसे नंगा किया और डीजे बजाकर खूब पिटाई की गई. जानकारी होने पर सोनू के भाई सुजीत कुमार ने तुरंत खगौल थाना में इसकी सूचना दी. दानापुर के एएसपी भानु प्रताप सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया. खगौल थाना प्रभारी सुनील कुमार और अन्य अधिकारियों ने तकनीकी अनुसंधान की मदद से हरनौत में छापेमारी की. बताया जाता है कि युवक की हत्या कर शव को ठिकाने लगाने की साजिश रची गई थी. लेकिन, खगौल पुलिस की सक्रियता ने इस बार एक युवक की जान बचा ली.